ज्ञान और विकास की दिशा में: बच्चों के लिए 5 ज़रूरी किताबें

काव्य डेस्क

Book Review

एक बच्चे की नज़र में, हर सवाल एक नया द्वार खोलता है और हर सपना संभावनाओं से जगमगाता है। ये नन्हे दिमाग सतत विकास, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन की प्रेरक शक्ति हैं, फिर भी उनमें से अधिकांश को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सीमित पहुँच प्राप्त है।

सीखना बच्चे की असीम जिज्ञासा और एक उज्ज्वल भविष्य के बीच का सेतु है। हमें केवल उत्तर देने से कहीं अधिक करना होगा; आइए हम नन्हे दिमागों को प्रश्न गढ़ने में मदद करने के लिए प्रेरित करें। जब हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं, तो हम उस अनमोल 'संभावना के बीज' की रक्षा करते हैं और बच्चों को आश्चर्य को ज्ञान में, आशा को कर्म में बदलने के लिए सशक्त बनाते हैं।

आज,हम पराग ऑनर लिस्ट 2025 में चुनी गई 5 ऐसी किताबों के बारे में बता रहे हैं, जो बच्चों को सोचने, समझने और कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती हैं।

1. आदा पादा
लेखक: सुशील शुक्ल। चित्रकार: अतनु राय । प्रकाशक: एकलव्य पिटारा

बच्चे अपनी हंसी-मजाक से भी कमाल की चीजें सीख लेते हैं! 'आदा पादा' (जिसका मतलब है "एक छोटी सी पाद") इस बात का सबूत है कि बच्चे वह बात समझते हैं जिसे अक्सर बड़े भूल जाते हैं – कि जिन चीजों पर हमें हंसी आती है, अक्सर उन्हीं के बारे में बात करने से हमें रोका जाता है। यह प्यारी सी कहानी एक ऐसी बात को, जिसे लोग शर्मिंदगी भरा मानते हैं, मजेदार और लयबद्ध शब्दों के खेल में बदल देती है। बच्चे अक्सर उन्हीं शरारती कविताओं और अजीब आवाजों के जरिए भाषा सीखते हैं, जिन्हें वे फुसफुसाते हुए और ठहाके लगाकर एक-दूसरे को सुनाते हैं। 'आदा पादा' इसी बचपने और हंसी का जश्न मनाती है। यह दिखाती है कि सीखने की शुरुआत तब होती है जब बच्चे पूरी तरह आज़ाद महसूस करते हैं—चुलबुले, जिज्ञासु और बिल्कुल मासूम। इस किताब को 'पराग चिल्ड्रन्स चॉइस अवार्ड 2025' से भी नवाजा गया है।

पुस्तक समीक्षाPC: social media

- **भालू का नाखून**

लेखक: ऋषि साहनी। चित्रकार : ऋषि साहनी। प्रकाशक: जुगनू प्रकाशन

हकीकत, कल्पना और जादुई एहसास से बुनी ये कहानियां इतनी प्रभावशाली हैं कि सब कुछ बिल्कुल सच लगने लगता है। पहाड़ों और जंगलों की रहस्यमयी दुनिया से लेकर कस्बों के स्कूल तक, ये कहानियां जीवन के रोमांच और रहस्यों को बखूबी समेटे हुए हैं। चरवाहे, भेड़ और कुत्ते की कहानी हो, या अजीब से भालू के पंजे और हर पल रूप बदलती एक सपने देखने वाली लड़की की कहानी —ये सब किसी परी कथा की तरह दिलचस्प लगती हैं। इनकी भाषा बहुत रचनात्मक है, जैसे कि 'उसने खुशी में अपना ही एक घेरा बना लिया'। चित्रों में भूरे और स्लेटी रंगों का ज्यादा इस्तेमाल कहानी के रहस्य को और गहरा कर देता है। ऋषि साहनी ने हाल ही में 'पराग इलस्ट्रेटर प्राइज़ 2025' जीता है।

पुस्तक समीक्षाPC: social media

- **पाथरूट का लक्ष्या : कौन है लक्ष्मण गायकवाड़?**

लेखक: नीतू यादव। चित्रकार : भार्गव कुमार कुलकर्णी । प्रकाशक: रूम टू रीड

यह किताब एक ऐसे आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले लेखक लक्ष्मण गायकवाड़ के जीवन को दिखाती है, जिन्हें समाज ने 'अपराधी' मान लिया था। इस कहानी को बहुत ही संवेदनशील तरीके से लिखा गया है, जिसमें उनके बचपन की घटनाओं को बच्चों के सवालों के साथ जोड़ा गया है। स्कूल, गरीबी, मेहनत, हक की लड़ाई और एक लेखक बनने के उनके सफर के बारे में बच्चों के ये सवाल कहानी को और भी सजीव बना देते हैं। यह किताब उन समुदायों के अनुभवों को सामने लाती है जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया गया है, और बच्चों के साहित्य में नए विचारों और नई आवाजों के लिए एक खास जगह बनाती है।

पुस्तक समीक्षाPC: social media

- **नाम है उसका पाखी**

लेखक: उदयन वाजपेयी। चित्रकार: तापोशी घोषाल। प्रकाशक: जुगनू प्रकाशन

यह उपन्यास कल्पना, सपनों की दुनिया और भाषा के जादुई इस्तेमाल का एक बेहतरीन उदाहरण है। पाखी नाम की एक लड़की के सपनों और अनुभवों पर आधारित यह कहानी किसी सीधी लकीर की तरह नहीं चलती, बल्कि एक घेरे की तरह घूमती है। इसकी खास बात यह है कि आप इसके अध्यायों को ताश के पत्तों की तरह आपस में मिला सकते हैं और कहीं से भी पढ़ना शुरू कर सकते हैं। यह कहानी बहुत ही बारीकी से बुनी गई है, जहाँ चित्रों और रंगों का तालमेल इसे और भी असरदार बनाता है। यह किताब सिखाती है कि जीवन में सबसे जरूरी चीज कल्पना करना और हर पल कुछ नया सीखने की काबिलियत है। तापोशी घोषाल को हाल ही में पराग सिग्निफिकेंट कॉन्ट्रिब्यूशन अवार्ड 2025 (जिसे पहले BLBA कहा जाता था) से सम्मानित किया गया है।

पुस्तक समीक्षाPC: social media

- **मेरा बचपन**

लेखक: जीनियस पवार। चित्रकार: स्वरंगी सावंत । प्रकाशक: मुस्कान

एक बच्चे की कहानी है जिसके जीवन की शुरुआत कबाड़ बीनने से होती है, फिर होटल में काम, फिर अख़बार की फेरी और फिर स्कूल और पढ़ाई। और उसका मन पढ़ाई में लग जाता है। सीधी, सरल भाषा में यह मार्मिक आत्मपरक कथा प्रस्तुत की गयी है। कथा का महत्त्व है कि कोई भी काम छोटा या हेय नहीं होता, और यह भी कि अवसर मिलने पर कोई भी इंसान कुछ भी हासिल कर सकता है। 'मेरा बचपन' एक साधारण व्यक्ति के जीवट और स्वप्न की दास्तान है।

ये सभी किताबें पराग ऑनर लिस्ट 2025 से चुनी गई हैं, जो टाटा ट्रस्ट्स की पहल पराग द्वारा समर्थित है। पराग ऑनर लिस्ट बच्चों और किशोरों के लिए अंग्रेजी और हिंदी की बेहतरीन किताबों का एक विशेष रूप से तैयार किया गया कलेक्शन है। पराग का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में अच्छी और गुणवत्तापूर्ण बाल-साहित्य को बढ़ावा देना है, ताकि हर बच्चा अपनी भाषा में पढ़ सके, सीख सके और आगे बढ़ सके। इस तरह की कोशिशें न केवल बच्चों को समावेशी शिक्षा से जोड़ती हैं, बल्कि उनमें हमेशा कुछ नया सीखने की चाह और सफल होने का जज्बा भी पैदा करती हैं।

2 सप्ताह पहले

कमेंट

अपनी प्रतिक्रिया साझा करें ...

Amar Ujala Kavya brings you a collection of news related to poetry and literary world with hindi poems, hindi shayari, urdu poetry. Read shayari and one line shayari in hindi of different flavors like love shayari, sad shayari, romantic shayari, life shayari and masterpieces of great poets

About Us Advertise with us Careers Privacy Cookies Policy Contact Us Terms and Conditions Products and Services RSS Feeds Sitemap © 2020-21 Amar Ujala Limited